नशा मुक्त युवा अभियान: संकल्प से उपचार और पुनर्वास तक

समाज व जनस्वास्थ्य | समाचार संदर्भ: 2 अगस्त 2026 | प्रकाशित: 16 अक्टूबर 2026

नशे से रोकथाम के लिए जागरूकता जरूरी है, लेकिन निर्भरता से जूझ रहे व्यक्ति को केवल चेतावनी या कलंक से मदद नहीं मिलती। परिवार का भरोसा, पेशेवर सहायता और समाज में दोबारा अवसर नीति के उतने ही महत्त्वपूर्ण हिस्से हैं।

खबरों में क्यों

11 नवंबर 2026: जागरूकता से उपचार और स्थानीय जवाबदेही तक

11 नवंबर की सरकारी समीक्षा में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता के साथ उपचार, परामर्श और स्थानीय निगरानी को जोड़ने पर जोर दिया गया है। मादक पदार्थों की माँग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्ययोजना (NAPDDR) के तहत समर्थित सुविधाओं में उपचार और परामर्श लेने वाले व्यक्तियों की संख्या 2020-21 में 2.08 लाख से बढ़कर 2025-26 में 9.11 लाख से अधिक बताई गई है। यह सेवाओं तक पहुँच का आँकड़ा है, नशे की निर्भरता से पूर्णतः मुक्त हो चुके व्यक्तियों की संख्या या देश में निर्भरता की व्यापकता का नया सर्वेक्षण नहीं।

विज्ञप्ति में नौवीं शीर्ष-स्तरीय NCORD बैठक के संदर्भ में तीन-वर्षीय माँग-कमी कार्ययोजना बनाने के निर्देश और राज्य, जिला तथा ब्लॉक स्तर पर निगरानी एवं समन्वय की व्यवस्था सुझाए जाने का उल्लेख है। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव, जिला स्तर पर जिलाधिकारी/उपायुक्त और ब्लॉक स्तर पर खंड विकास अधिकारी की अध्यक्षता प्रस्तावित संरचना में रखी गई है। इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि सभी स्थानों पर समितियों का गठन और वास्तविक निरीक्षण पूरा हो चुका है।

विश्लेषण: जागरूकता की पहुँच, सेवा लेने वालों की संख्या, उपचार पूरा होने और पुनर्वास के परिणाम अलग माप हैं। स्थानीय रिकॉर्ड की गुणवत्ता, उपचार-सुविधा का निरीक्षण और शिक्षा-कौशल-रोजगार से दोबारा जुड़ाव, भागीदारी की बड़ी संख्या को टिकाऊ सहायता में बदलने की कसौटियाँ होंगी।

PIB, 11 नवंबर 2026 (PRID 2334910)

10 नवंबर 2026: नशा-मुक्ति जागरूकता: क्विज की भागीदारी और परिणाम की अलग कसौटी

10 नवंबर 2026 का अद्यतन: सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत क्विज' में 25,607 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया है। NMBA के तहत 26 अक्टूबर को शुरू क्विज के लिए घोषित अवधि 25 नवंबर 2026 तक है।

यह राष्ट्रीय नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ी गतिविधि है, जिसे 15 अगस्त 2020 को शुरू किया गया था। इसे अगस्त 2026 में शुरू अलग 100-सप्ताह के नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान का मूल शुभारंभ न समझें। MY Bharat मंच का उपयोग होने से दोनों अभियानों की शुरुआत और आँकड़े एक नहीं हो जाते।

मंत्रालय ने NMBA की संचयी पहुँच 35.84 करोड़ से अधिक बताई है, जिसमें युवा और महिलाएँ शामिल हैं। ये समूह परस्पर अलग होने जरूरी नहीं, इसलिए युवा और महिला आँकड़ों को कुल में फिर जोड़ना गलत होगा। मंत्रालय ने 39.91 लाख व्यक्तियों

के उपचार और पुनर्वास तथा 755 से अधिक समर्थित नशा-मुक्ति केंद्रों की जानकारी भी दी। जागरूकता-पहुँच, क्विज भागीदारी और उपचार के ये अलग संकेतक हैं; किसी एक से देश में नशे की निर्भरता में प्रमाणित गिरावट सिद्ध नहीं होती।

स्रोत: PIB, 10 नवंबर 2026

9 नवंबर 2026: दिवाली स्नेह मिलन की भागीदारी

PIB के अनुसार MY Bharat-NSS ने नशा मुक्त युवा के 100-सप्ताह संकल्प अभियान के अंतर्गत 153 संस्थानों में दिवाली स्नेह मिलन आयोजित किया; इनमें 1,07,494 भागीदारी दर्ज की गई। सामुदायिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, शपथ और स्वैच्छिक सेवा इसके साधन थे। यह आयोजन/भागीदारी का संकेतक है, नशीले पदार्थों की निर्भरता में प्रमाणित गिरावट का परिणाम नहीं। इसे पुराने नशा मुक्त भारत अभियान के नए राष्ट्रीय शुभारंभ के रूप में न लिखें। स्रोत: https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2334441

2 अगस्त 2026 को प्रधानमंत्री ने नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया। आधिकारिक विवरण में 100 सप्ताह तक कला, खेल, संस्कृति और अन्य सामुदायिक गतिविधियों से जुड़ाव की बात है। इसे 2020 में शुरू हुए नशा मुक्त भारत अभियान का पहली बार शुभारंभ नहीं कहा जा सकता।

10 नवंबर 2026: दीपोत्सव और पड़ोस युवा संसदें

MY Bharat ने 100-सप्ताह के 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान के आठवें सप्ताह में 6 और 7 नवंबर को 'नशा मुक्त युवा दीपोत्सव - एक दिया संकल्प का' तथा पड़ोस युवा संसदों के माध्यम से परिचर्चाएँ आयोजित कीं। PIB के अनुसार दोनों पहलों में 30 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 1.19 लाख से अधिक युवा और नागरिक जुड़े।

दीपोत्सव में 435 कार्यक्रम, 568 गतिविधियाँ और 1,10,101 भागीदारी दर्ज हुई। पड़ोस युवा संसदों की परिचर्चा में 85 कार्यक्रम, 298 गतिविधियाँ और 9,526 भागीदारी दर्ज हुई। NYP की रचना में प्रति ब्लॉक कम-से-कम 80 युवाओं को चार सत्रों से जोड़ने की परिकल्पना थी; इसे हर स्थल पर सत्यापित वास्तविक उपस्थिति की समान गिनती न मानें।

ये कार्यक्रम तथा भागीदारी के आँकड़े हैं, नशे की निर्भरता में प्रमाणित गिरावट नहीं। इन्हें पहले से दिए दिवाली स्नेह मिलन के आँकड़ों के साथ जोड़कर कुल विशिष्ट लाभार्थी न घोषित करें, क्योंकि दोनों विज्ञप्तियाँ अलग गतिविधियों की रिपोर्ट हैं और दोहराव-मुक्त व्यक्ति-गणना स्थापित नहीं करतीं।

स्रोत: PIB, MY Bharat / युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, 10 नवंबर 2026 (2334566)

नई युवा पहल और पुराना सरकारी कार्यक्रम अलग पहचानें

नशा मुक्त भारत अभियान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का 2020 से चल रहा कार्यक्रम है। अगस्त 2026 की युवा संकल्प पहल में समुदायों, संस्थाओं और युवाओं की भागीदारी पर जोर है। नामों की समानता से दोनों की शुरुआत, प्रशासनिक संरचना या बजट को एक न मानें।

मुख्य तथ्य

रोकथाम का अर्थ: युवाओं को जोखिम समझाना, संवाद के सुरक्षित अवसर देना और समय रहते सहायता से जोड़ना रोकथाम है। कार्यक्रम की सफलता केवल शपथ या कार्यक्रमों की गिनती नहीं, व्यवहार और सहायता तक पहुँच से भी जाँची जानी चाहिए।

उपचार का रास्ता: आधिकारिक संबोधन ने परिवारों से सामाजिक प्रतिष्ठा के डर से समस्या न छिपाने तथा चिकित्सा सहायता लेने को कहा। सामुदायिक गतिविधियाँ सहारा दे सकती हैं, लेकिन पेशेवर मूल्यांकन और आवश्यक उपचार का विकल्प नहीं हैं।

प्रवर्तन और देखभाल: अवैध आपूर्ति पर कार्रवाई, माँग घटाने के प्रयास और उपचार अलग काम हैं। पुराने नशा मुक्त भारत कार्यक्रम का आधिकारिक ढाँचा भी आपूर्ति-नियंत्रण, जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं को जोड़ता है।

युवा भागीदारी को टिकाऊ परिणाम में कैसे बदलें?

परिवार और परिसर में भरोसा: बच्चों तथा युवाओं से खुली बातचीत और बिना अपमान सहायता माँगने का वातावरण जरूरी है। संस्थान स्पष्ट करें कि परामर्श कहाँ मिलेगा और जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य सेवा से कैसे जोड़ा जाएगा।

उपचार के बाद अवसर: स्वास्थ्य सुधार के साथ पढ़ाई, कौशल और रोजगार में वापसी का रास्ता चाहिए। सहायता लेने वाले व्यक्ति को स्थायी रूप से अपराधी या असफल मानना पुनर्वास को कठिन बना सकता है।

निगरानी की सही कसौटी: भागीदारी के साथ सहायता के लिए भेजे गए लोगों की सेवा तक पहुँच, उपचार की निरंतरता और परिवारों का अनुभव भी देखें। व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करते समय गोपनीयता और सम्मान जरूरी हैं।

विश्लेषण और आगे की राह

स्थानीय योजनाओं में स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य सेवा, समुदाय और प्रवर्तन संस्थाओं के बीच स्पष्ट जिम्मेदारियाँ हों। जोखिम के बारे में सही जानकारी दें, सनसनीखेज या भेदभावपूर्ण चित्रण से बचें। जरूरतमंदों को उपलब्ध परामर्श और उपचार से जोड़ें तथा सेवाओं की गुणवत्ता जाँचें। युवाओं की खेल और सांस्कृतिक भागीदारी उपयोगी हो सकती है, पर उसे निश्चित चिकित्सकीय इलाज के रूप में प्रस्तुत न करें। 100 सप्ताह की घोषणा निरंतर प्रयास का अवसर है; किसी निश्चित समय में देश पूरी तरह नशामुक्त हो जाने का प्रमाण नहीं।

अवधारणा में अंतर

जागरूकता से जोखिम की समझ बनती है; उपचार से स्वास्थ्य की जरूरतों पर काम होता है; पुनर्वास से जीवन में वापसी का सहारा मिलता है। तीनों जुड़े हैं, लेकिन एक-दूसरे की जगह नहीं ले सकते।

मेंस दृष्टि

GS-II में स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और संस्थागत समन्वय; GS-I में युवा और सामाजिक परिवर्तन। उत्तर में रोकथाम, देखभाल और पुनर्वास का संतुलन रखें।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने में जन-जागरूकता तभी प्रभावी होगी जब वह उपचार और पुनर्वास से जुड़ी हो। नशा मुक्त युवा अभियान के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: नशीले पदार्थों की समस्या में जोखिम की जानकारी जरूरी है, पर निर्भरता से जूझ रहे व्यक्ति को उपचार और जीवन में वापसी का सहारा भी चाहिए; जागरूकता को इस सेवा-श्रृंखला का प्रवेश मानें।

मुख्य भाग में: अगस्त 2026 की युवा संकल्प पहल और 2020 से चल रहे नशा मुक्त भारत अभियान को अलग रखें। खेल तथा सामुदायिक गतिविधियाँ जुड़ाव बढ़ा सकती हैं, लेकिन पेशेवर मूल्यांकन का विकल्प नहीं। परिवार और परिसर में बिना अपमान सहायता माँगने का वातावरण हो। परामर्श से स्वास्थ्य सेवा तक स्पष्ट रास्ता और उपचार के बाद पढ़ाई, कौशल तथा रोजगार में वापसी का सहयोग दें।

निष्कर्ष में: स्कूल, स्वास्थ्य सेवा, समुदाय और प्रवर्तन की जिम्मेदारियाँ स्पष्ट करें। आयोजनों की संख्या के साथ सहायता तक पहुँच तथा उपचार की निरंतरता मापें; गोपनीयता और सम्मान बनाए रखें। सौ सप्ताह की घोषणा को निरंतर काम का अवसर मानें, निश्चित समय में नशामुक्ति का प्रमाण नहीं।

स्रोत

- 2 अगस्त 2026 का मूल शुभारंभ विवरण और 100 सप्ताह का संदर्भ
- सामाजिक न्याय विभाग: पुराने NMBA का आरंभ और कार्य-ढाँचा
- अगस्त 2026 के राष्ट्रीय शुभारंभ की स्वतंत्र रिपोर्ट

याद रखें: संकल्प जागरूकता शुरू कर सकता है; भरोसेमंद सहायता, उपचार और पुनर्वास उसे परिणाम तक ले जाते हैं।

इस लेख को डाउनलोड करें: PDF